हिन्दी लेखाञ्जलि

(81 शोध लेख)

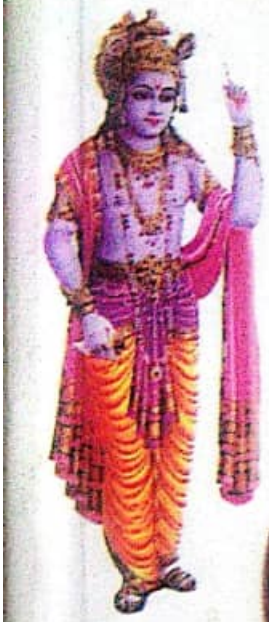

आचार्य डॉ० रामेश्वर प्रसाद गुप्त

Scanned with CamScanner

हिन्दी लेखाञ्जलि

[81 शोध-लेख]

आचार्य डॉ० रामेश्वर प्रसाद गुप्त

ईस्टर्न बुक लिंकर्स
दिल्ली : : (भारत)

Scanned with CamScanner

प्रकाशक :
ईस्टर्न बुक लिंकर्स
हैड ऑफिस: 5825, न्यू चन्द्रावल,
जवाहरनगर, दिल्ली-110007
फोन : 23850287, 9811232913

शोरूम: 4806/24, भरत राम रोड,
दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
फोन : 23285413, 45797575

e-mail : eblindology@gmail.com
ebl.info76@gmail.com
Website : www.eblindology.com

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2021 ई०

मूल्य : ₹ 1450

ISBN : 978-81-7854-392-5

Hindi Lekhāñjali

Kavivar Acharya Dr. Rameshwar Prasad Gupt

टाईप सैटिंग : क्रियेटिव ग्राफिक्स
मुद्रक : आर. के. प्रिंट सर्विस, दिल्ली

अनुक्रम

कृति-समर्पण
कृतिकार का परिचय viii
प्राक्कथन ix
श्रद्धा, सौहार्द एवं स्नेहाभिव्यक्ति xi
xv

1. सत संगत मुद मंगल मूला 1
2. सुन्दरकाण्ड सुन्दर क्यों? 9
3. सुन्दरकाण्ड में सत्संग का वैशिष्ट्य 17
4. श्रीरामचरितमानस में वर्णित नवधा भक्ति में नवम भक्ति का वैशिष्ट्य 23
5. राम कवन प्रभु पूछउँ तोही 28
6. आखिर कौन हैं ये "राम"? 33
7. श्रीराम के चरित्र की प्रासंगिकता 40
8. श्रीरामचरितमानस के माध्यम से ईश्वर-दर्शन 45
9. मन, वाणी और कर्म के ऐक्य का महत्त्व रा.च.मा.के संदर्भ में 51
10. नहिं असत्य सम पातक पुञ्जा 57
11. सत्य की शिक्षा ही सर्वोपरि है 62
12. परमात्मा के दर्शन में बाधक कौन? 66
13. श्रीरामचरितमानस में गंगा-प्रसंग 71
14. श्रीरामचरितमानस में धर्म के चार स्वरूप 76
15. राम-राज्यादर्श, एक सटीक दिग्दर्शन 78
16. श्रीरामचरितमानस में भक्ति का स्वरूप 85
17. श्रीरामचरितमानस के अनुसार माता पिता ही परम देवता मान्य 91
18. श्रीरामचरितमानस में वर्षा और शरद वर्णन 97
19. नृप अभिमान मोह बस किंबा 101
20. ईश्वर की कृपा ही महत्त्वपूर्ण उपलब्धि 111
21. भगवत्-कृपा ही सबसे बहुमूल्य प्राप्ति 115
22. श्रीरामचरितमानस में शिक्षा-प्रसंग 119

Scanned with CamScanner

23. श्रीरामचरितमानस में समाजवाद के प्रसंग 129
24. श्रीरामचरितमानस के आर-कान्ड में मन, वाणी और कर्म के ऐक्य का निरूपण 136
25. कौशल्या को [illegible] वर्ष हो क्यों? 143
26. भारतीय संस्कृति का मूल आधार 'अध्यात्म' 148
27. सद्गुरु-महिमा 155
28. सत्य ही धर्म है 161
29. सत्य ही ईश्वर है 166
30. उपनिषदों में शिक्षा 170
31. सत्कर्म की शिक्षा ही श्रेष्ठ शिक्षा 177
32. वर्तमान शिक्षा-व्यवस्था में मूल्य-परकता की आवश्यकता 183
33. मूल्य परक शिक्षा 189
34. चरित्र-निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास तथा मूल्य-आधारित शिक्षा 194
35. शिक्षा का फल विमुक्तिभाव है 202
36. 'शिक्षा' सम्पत्ति की निर्देशिका है 207
37. संस्कृत साहित्य युवा वर्ग का पथ-प्रदर्शक 211
38. प्राचीन वैदिक एवं पौराणिक साहित्यानुसार स्वतन्त्रता और [illegible] अवधारणायें 220
39. समय-सुधा का सम्यक् सदुपयोग ही समुन्नति-प्रदायी 225
40. पर्यावरण-अवनयन के कारण, निदान एवं समाधान 228
41. पर्यावरण-पावित्र्य के चिन्तनीय तत्त्व 233
42. महाकवि कालिदास के काव्यों में उल्लिखित राष्ट्रीय-भावना, जीवन मूल्य एवं मानसिक तथा प्राकृतिक पर्यावरण-एक शोध दृष्टि 242
43. संस्कृत-साहित्यानुसार राजा भी दण्डाधीन 248
44. संस्कृत-साहित्य में पर्यावरण चेतना 254
45. महाकवि भवभूति का राष्ट्रभक्ति-चिन्तन 258
46. महाकवि भवभूति के 'उत्तररामचरितम्' में शब्द-शक्तियाँ 264
47. महाकवि भवभूति के नाटकों में राष्ट्रीय-भावना 270
48. बुन्देलखण्ड क्षेत्र के संस्कृत-साहित्यकार 279
49. देवनागरी लिपि, उद्भव और विकास 284
50. विश्व में हिन्दी 290
51. आत्मज्ञान ही श्रेष्ठ उपलब्धि 297

52. मित्र-धर्म 300
53. भारतीय साहित्य में राष्ट्र-धर्म 304
54. स्वतन्त्रतापूर्व संस्कृत-पत्रिकाओं का योगदान 308
55. भारत की महान् विभूति : पूज्यपाद श्री स्वामी जी महाराज दतिया (म.प्र.) 312
56. महामहोपाध्याय पं० श्री मथुराप्रसाद दीक्षित के नाटकों में राष्ट्रीय-भावना 317
57. स्वामी विवेकानन्द का दर्शन 321
58. 'गोसेवा' सर्वकल्याण-प्रदायिनी 327
59. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से भगवद्दर्शन 333
60. गीता में योग की व्यावहारिकता 339
61. सेवा ही श्रेष्ठ भक्ति है 343
62. प्रत्यक्ष देवता 'सूर्य' की उपासना सर्वश्रेयप्रदात्री 348
63. संत कवि कबीर और उनके राम 351
64. चाहत की चींटी करे, सोई सिद्ध फकीर 355
65. धर्मनिरपेक्षता और संत कबीर 358
66. भारतीय समाज में नारियों का महत्त्व 364
67. बुन्देलखण्ड के आश्विन मास के लोकोत्सव 369
68. बुन्देलखण्ड के मान्यदेव 'महादेव' 373
69. श्री पीताम्बरापीठ-स्वामी जी महाराज, दतिया के साहित्य की प्रासंगिकता 376
70. विश्वशांति हेतु सुसंस्कारों की शिक्षा 383
71. उपनिषदों की विशिष्ट शोध-कथायें 389
72. पञ्चमहाव्रतों में सत्य की महत्ता 395
73. ज्योतिषविद्या सत्कर्म की उत्प्रेरिका है 399
74. बहुमुखी प्रतिभा के धनी, देशभक्त और हिन्दी-भाषा प्रेमी 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र' 405
75. साहित्य में लोक-मंगल एवं मानव-जीवन-मूल्य 410
76. ॐ (ओउम्) का चिन्तन 415
77. भारतीय सोलह संस्कार 422
78. सुभाषित साहित्य की उपादेयता 433
79. श्रीमद्भागवत महापुराण में सृष्टि-उत्पत्ति-वर्णन 443
80. 'वर्ण-परिवर्तन' इतिहास एवं आधार 451
81. आशीर्वाद का महत्त्व 458

卐 卐 卐

Scanned with CamScanner